हरिभूमि
हिसार भूमि
रोहतक, सोमवार,17 फरवरी 2025

तापमान

अधिकतम 28.2 डिग्री
न्यूनतम 7.9 डिग्री

11 महाकुंभ से पांच हजार लीटर संगम का जल लाकर 27 को ब्रह्मसरोवर में छोड़ा जाएगा

12 साढ़े 9 करोड़ की लागत से अपग्रेड होंगे हांसी के दोनों एसटीपी

खबर संक्षेप

राजथल से कच्ची शराब बरामद, महिला फरार

नारनौंद। पुलिस ने राजथल गांव में छापा मारकर सवा दो लीटर कच्ची शराब बरामद की है। इस दौरान शराब तैयार कर रही महिला फरार हो गई। पुलिस ने महिला के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नारनौंद पुलिस को सूचना मिली कि गांव राजथल निवासी बबली अपने घर में भट्ठी चलाकर नाजायज शराब तैयार कर रही है। पुलिस ने तुरंत वहां पर छापा मारा तो मकान में ईंटों का चूल्हे पर भट्ठी जलाकर एक ड्रम से 200 लीटर लाहन बरामद हुआ। पास में रखी दो लीटर कच्ची शराब बरामद हुई वहीं महिला मौके से फरार हो गई।

बाइक सवार 3 किलोग्राम 480 ग्राम गांजा काबू

हिसार। नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर कार्रवाई करते हुए नशा निरोधक पुलिस टीम ने मय्यड़ से एक मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को काबू करके 3 किलोग्राम 480 ग्राम गांजा बरामद किया है। उप निरीक्षक इंदर सिंह ने बताया कि पुलिस टीम ने गश्त के दौरान सूचना के आधार पर गांव मय्यड़ से एक मोटरसाइकल सवार व्यक्ति को काबू किया। पूछताछ में उसने अपना नाम मय्यड़ निवासी शमशेर उर्फ बाली बताया। तलाशी लेने पर शमशेर उर्फ बाली के कब्जे से एक थैली से 3 किलोग्राम 480 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा व मोटरसाइकिल कब्जे में लेकर उसे गिरफ्तार कर लिया। उस पर मादक द्रव्य अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया गया

कृषि दर्शन प्रदर्शनी में देखा ड्रोन उड़ाकर, अन्य उपकरणों की जानकारी भी ली

खेती में उन्नत तकनीकों का समावेश कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएं किसान : श्याम सिंह राणा

तीन दिवसीय कृषि मेले के दूसरे दिन पहुंचे कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

प्रदेश के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने किसानों से आह्वान किया है कि वे खेती में उन्नत तकनीकों का समावेश कर उत्पादन क्षमता बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा ऐसा पहला राज्य है, जहां सभी फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदी जा रही है। इसके अलावा भी किसान हित में अनेक योजनाएं लागू की गई है।

कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा रविवार को यहां के सिरसा रोड स्थित उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (टीटीसी केंद्र) में आयोजित तीन दिवसीय कृषि दर्शन प्रदर्शनी के दूसरे दिन किसानों को संबोधित कर रहे थे। एक अनुमान के अनुसार शाम तक लगभग सवा लाख किसानों व आमजन ने यहां जानकारी ली। मंत्री ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर नई व आधुनिक कृषि तकनीकों का अवलोकन किया और कहा कि यह प्रदर्शनी हरियाणा सरकार के कृषि मशीनीकरण अभियान को नई गति देने और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोडऩे का एक सफल प्रयास है।

हिसार। टीटीसी में पहुंचने पर कृषि मंत्री का स्वागत करते निदेशक व कृषि दर्शन एक्सपो में ट्रेक्टर चलाकर व ड्रोन उड़ाकर देखते कृषि मंत्री। *फोटो: हरिभूमि।*

गोबर से बनेंगे पैसे

इस बार किसानों ही आमजन की आमदनी को बढ़ाने के लिए टीटीसी में आयोजित प्रदर्शनी में पहली बार कैसे गोबर से गिट्टी बनाई जाती है, के लिए जगजीत ग्रुप ने मशीन के बारे में रूबरू करवाया। लगभग दो किलोवाट की मोटर लगी हुई है। मशीन में पानी अलग हो जाएगा और गोबर की गिट्टी अलग बन जाएगी।

स्कूटर कम ट्रैक्टर की प्रदर्शनी

कृषि दर्शन प्रर्दशनी में किसानों को स्कूटर कम ट्रेक्टर आर्कषण का केंद रहा। जो पेट्रोल से चलता है, संकरे रास्तों पर काम कर सकता है। विशेषकर बागबानी वाले इसका इस्तेमाल ज्यादा कर रहे है। 12 हॉर्स पावर का यह ट्रैक्टर स्वराज द्वारा कोड के नाम से है। फोर स्ट्रोक इंजन है। आगे के 6 और पीछे के 3 गियर है। इसकी घीमी स्पीड लगभग 2 से भी कम जो इसकी कार्य क्षमता को बढ़ाता है और अधिकतम स्पीड 16 है।

जानी ड्रोन की कार्यप्रणाली

कृषि मंत्री ने हवा में ड्रोन को उड़ाकर उसकी कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक से किसानों को कीटनाशकों एवं उर्वरकों का छिडक़ाव करने में सहायता मिलेगी, जिससे उत्पादन लागत में कमी आएगी और समय की बचत होगी। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे ड्रोन जैसी अत्याधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अधिक लाभदायक बनाएं।

ड्रोन की खासियत:

जी हां, किसानों को ड्रोन खेत में ले जाने के लिए किसी लोडिवा वाहन की अब जरूरत नहीं पड़ेगी। अब वह ड्रोन को अपनी बाईक पर भी ले जा सकेंगे। टीटीसी में आयोजित प्रर्दशनी में मारूत ड्रोन के बारे में अवगत करवाया गया। इस ड्रोन की मुख्य विशेषता यह है कि इसमें 25200 एमएएच की बैटरी लगी हुई है जिसे एक बार चार्ज करने पर 23 मिनट तक उड़ाया जा सकता है, 10 लीटर की इसकी क्षमता है, तीन एकड़ में एक बार में स्प्रे कर सकता है। इस पर कैमरा भी लगाया जा सकता है जिससे किसान फसलों में हो रही बीमारियों का पता लगा सकेगा और समय पर रोकथाम कर सकेगा। बाईक पर ले जाने के लिए कंपनी द्वारा इसका लोहे का ढ़ाचा बनवाया गया है जिसकी मदद से वह बाईक पर आसानी से कहीं भी आ जा सकता है। इसकी वजह से केवल एक व्यक्ति ही इस काम को कर सकता है।

ट्रैक्टर पर बैठे मंत्री

कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न आधुनिक कृषि उपकरणों और मशीनों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैक्टर पर बैठकर उसकी विशेषताओं को परखा और सोलर पंप का मुआयना किया। उन्होंने कहा कि सोलर पंप तकनीक किसानों के लिए ऊर्जा की बचत करने और सिंचाई व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने में मददगार साबित होगी।

उन्नत तकनीक अपनाएं

कृषि मंत्री ने किसानों से आह्वान किया कि वे उन्नत बीजों, जैविक खेती और नई तकनीकों का उपयोग करें तथा राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। सरकार किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न योजनाएं चला रही है, जिनमें अनुदान आधारित उपकरण, फसल बीमा योजना, जैविक खेती को बढ़ावा देने की योजनाएं शामिल हैं। विशेषज्ञों ने किसानों को नई कृषि तकनीकों की जानकारी दी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज, टीटीसी निदेशक मुकेश जैन, कृषि विभाग के उपनिदेशक राजबीर सिंह, सहायक कृषि अभियंता ओमप्रकाश महिवाल इत्यादि उपस्थित रहे।

प्रगतिशील किसान सम्मानित

प्रदर्शनी के दूसरे दिन कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने लक्की ड्रा भी निकाला। इसमें जुई गांव के लक्की सिंह रोटरा वेल्डर ईनाम में निकला। कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी में दूसरे दिन हरियाणा के 26 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया। ये किसान पराली प्रबंधन व प्राकृतिक खेती से सम्बन्धित कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

मशीन एक, काम अनेक : स्वरूप

किसानों को जमीन की फसलों की बुआई करनी हो या बिजाई करनी हो या जमीन को समतल करना हो सभी अलग-अलग प्रकार की मशीनों को इस्तेमाल करना पड़ता है। टीटीसी में आयोजित प्रदर्शनी के दौरान संगरिया जिला से आए स्वरूप ने किसानों को अपनी नई मशीन मल्टी एस 311 से किसानों को रूबरू करवाया जिसकी मुख्य विशेषता यह है कि जमीन को समतल इसी मशीन से किया जा सकता है। जमीन समतल होगी तो पानी की खपत कम होगी। सभी प्रकार की फसलों की बुआई इसी मशीन के जरिये की जा सकती है। अलग-अलग मशीनें लेने की जरूरत नहीं इस मशीन पर लगभग 40 प्रतिशत की सब्सिडी भी है।

कांसे की थाली के दे रहे फ्री में पैरों की मसाज : डॉ. संजय

दवा युक्त नहीं दवा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रदर्शनी में किसान व आमजन को तीनों दिन फ्री में कांसे थाली की पैरों की मसाज कर रहें है। सैंकड़ों की संख्या में फ्री में थैरेपी। डॉ. संजय ने बताया कि हम आयुर्वेद पर काम करते है हमारे आयुर्वेद में हर प्रकार के रोगों का दमन करने के लिए क्षमता है। हमारा आयुर्वेद सतयुग से चला आ रहा है आज हम इसें भूलते जा रहे है। हमने दवा युक्त नहीं दवा मुक्त भारत अभियान चला रखा है जिसके तहत प्रदर्शनी में आए हुए किसान व आमजन को कांसे की थाली की थैरेपी दे रहे है जिससे उसके शरीर के विषैले तत्वों को बाहर निकाला जा सकता है। हमारे शरीर का सारा वजन हमारे पैरों पर होता है, हमारे शरीर को डीटोक्स पैरों के जरिये भी किया जाता है। अलग-अलग तेल की मसाज अलग-अलग रोगों में फायदा देती है।

मेले में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

मेले में किसानों व आमजन ने कम्पनियों द्वारा की गई अलग-अलग प्रतियोगिताओं में भाग लेकर ईनाम भी जीते। कृषि प्रदर्शनी में कई कंपनियों ने किसानों के लिए उनकी जरूरत के अनुसार अनुभवी लोगों द्वारा प्रशिक्षण की भी सुविधा उपलब्ध करवाई। मेले में बैंकों ने किसानों के लिए मशीनरी लोन, क्रडिट कार्ड तरह की कई स्कीमों के बारे में किसानों को अवगत कराया। मेले में इस बार बागवानी विभाग ने भी सहयोग दिया। संस्थान के निदेशक ने बताया कि कृषि प्रदर्शनी के जरिये किसान ही नहीं आमजन के लिए आधुनिक व नई तकनीकें लाना कृषि दर्शन किसान मेले का मुख्य उद्देश्य है।

हांसी बस स्टैंड के सुधरेंगे हालात, टूटे फर्श का जल्द होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

सामान्य बस स्टैंड के जल्द ही दिन बहुरने वाले हैं। बस स्टेंड के अंदर दोनों गेट पर टूटे हुए रोड़ को मरम्मत करके ठीक किया जाएगा। इसके लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण करके एस्टीमेट तैयार कर लिया है। मंजूरी मिलने के बाद काम शुरू किया जाएगा।

बस स्टैंड पर दिल्ली व हिसार की तरफ बने एंट्री गेट के पास रोड टूटा हुआ है और यहां पर गड्ढा बन गया है। इसके अलावा कार्यशाला के अंदर भी रोड टूटा हुआ है, जिसके कारण बसों के बस स्टेंड के अंदर आने व बाहर जाने में समस्या होती है। एंट्री गेट पर रोड के टूटे होने के कारण कई बार बसों के पलटने का डर बना रहता है। बस स्टेंड के सुधार के लिए आई 33 लाख रुपये की राशि सात वर्षों से रोडवेज विभाग के पास लंबित है। अधिकारियों ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को बस स्टेंड परिसर के टूटे हिस्से की मरम्मत करवाने के लिए कहा था। बीते दिनों लोक निर्माण विभाग की जेई मोनिका ने बस स्टेंड का निरीक्षण कर मरम्मत का एस्टीमेट तैयार कर लिया है। इसे रोडवेज विभाग के पास मंजूरी के लिए भेजा गया है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद इस पर काम शुरू होगा।

- एंट्री व आउट दोनों गेटों के सामने टूटा हुआ है फर्श
- सात साल पहले मरम्मत के लिए स्वीकृत 73 लाख में से खर्च हुए थे 40 लाख
- पैंडिंग 33 लाख की राशि से अब होगी खर्च

हांसी। बस स्टेंड के अंदर टूटा पड़ा फर्श।

अधिकारियों ने किया निरीक्षण : मोर

हांसी बस अड्डा इंचार्ज रमेश मोर का कहना है कि बस स्टेंड प्रांगण को मरम्मत की आवश्यकता है और बस स्टेंड के दोनों गेट पर फर्श काफी टूटा हुआ है। इसके कारण हादसे का डर बना रहता है। बस स्टेंड परिसर मरम्मत कार्यों के लिए आई राशि के जरिए काम करवाने के लिए आला अधिकारियों को लिखा गया था जिसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारी यहां आकर निरीक्षण कर चुके है।

150 बसों का हो रहा संचालन

हांसी बस स्टेंड से रोडवेज की 73 और निजी परिवहन की 150 बसें चलती हैं। बस स्टेंड पर प्रतिदिन 700 के करीब विभिन्न रुटों पर आने जाने वाली बसों का ठहराव होता हैं। हांसी से प्रतिदिन 15 से 20 हजार यात्री बसों में सफर करते हैं। बरसात के मौसम में जलभराव से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सात वर्ष पहले आए थे 73 लाख रुपये

बस स्टेंड की मरम्मत के लिए करीब सात वर्ष पहले 73 लाख रुपये की राशि आई थी। मरम्मत का काम लोक निर्माण विभाग की तरफ से करवाया गया था। इसमें से करीब 40 लाख रुपये की राशि वर्ष 2021 में खर्च हुई थी। जिसके बाद करीब 33 लाख रुपये की राशि लंबित है। तब यहां पर बस स्टेंड के सुधार के लिए कई तरह के काम करवाए गए थे। बस स्टेंड की मूल समस्या पानी निकासी की है। इसका समाधान आज तक नहीं हुआ। बस स्टेंड का लेवल रोड काफी नीचे है। ऐसे में यहां पर बारिश के पानी की निकासी नहीं हो पाती है और कई दिन तक बस स्टेंड के अंदर बरसाती पानी खड़ा रहता है जिसके चलते बस स्टेंड पर आने वाले यात्रियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। दो महीने पहले निजी बस संचालक बस स्टेंड पर मरम्मत कार्यों के लिए विधायक से भी मिले थे।

1982 में हुआ था उद्घाटन

हांसी बस स्टेंड का उद्घाटन तत्कालीन मुख्यमंत्री भजनलाल ने 22 जनवरी 1982 को किया गया था। बस स्टेंड का भवन 42 वर्ष पुराना है।

भाजपा कार्यकर्ता रखते त्याग एवं समर्पण का भाव : कृष्ण पारीक

हिसार। भाजपा नेता कृष्ण पारीक ने कहा है कि पार्टी ने हमेशा अपने कार्यकर्ताओं को त्याग व समर्पण की सीख दी है। जिससे आज देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार जनहित के कार्य कर रही है। पार्टी नेता व कार्यकर्ता समर्पण भाव से जन सेवा में लगे हुए हैं। नगर निगम चुनाव का माहौल चल रहा है। उन्होंने ने कहा कि नगर निगम हिसार के वार्ड नंबर 5 से पार्टी की तरफ से भेजे गए पैनल में उनका नाम भेजा गया था। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने भी उनके नाम की पैरवी की परंतु किसी कारणवश उनकी टिकट काट दी गई। भाजपा नेता कृष्ण पारीक ने बताया कि पार्टी ने हमेशा त्याग एवं समर्पण भाव का पाठ सिखाया है। भाजपा हरियाणा में सभी नगर निकाय चुनाव अच्छे रिकॉर्ड से जीत कर इतिहास बनाने वाली है।

सख्ती: बुलेट से निकाली पटाखों की आवाज, 15 हजार का कटा चालान

हिसार। ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया है। इस अभियान के तहत पुलिस यातायात नियमों की अवहेलना करने और पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल पर अंकुश लगाने और सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले वाले मार्गों में बुलेट मोटरसाइकिल के पटाखे के कारण आमजन को होने वाली परेशानी से निजात दिलाने को बाइक चालकों पर कार्रवाई कर रही है।

रविवार को पुलिस ने बुलेट बाइक से पटाखे की आवाज निकालने पर बाइक चालक का मोटर वाहन अधिनियम के तहत 15 हजार का चालान किया है। उप निरीक्षक युद्धवीर सिंह ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस ने बुलेट मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तलाकी गेट पर एक बुलेट मोटरसाइकिल चालक

द्वारा मोटरसाइकिल से पटाखे की आवाज निकालने पर 15 हजार रुपए का चालान किया है। साथ ही मोटरसाइकिल से साइलेंसर को भी हटाया गया।

उन्होंने कहा है कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पटाखे की आवाज निकालने वाली बुलेट मोटरसाइकिल चालकों व सार्वजनिक जगह पर असुरक्षित वाहन चलाकरर व दूसरों के जीवन को खतरे में डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही पुलिस मोटरसाइकिल में पटाखा बजाने वाले विशेष उपकरण लगाने का काम करने वाले मिस्त्रियो की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई करेगी।

कार से बाइक बाइक को मारी टक्कर, फोटोग्राफर को लूटा

बरवाला। बीती देर रात्रि मंडी रोड के पास बाइक पर सवार एक फोटोग्राफर को कार ने सीधी टक्कर मार दी। इससे फोटोग्राफर बाइक के साथ गिर गया। इतने में तीन चार अज्ञात युवकों ने इस कार में से उतरकर उसके साथ मारपीट की व जेब से हजारों रुपये की नकदी, एक मोबाइल, कैमरा, बैटरी व कार्ड लूटकर फरार हो गए। वार्ड 6 निवासी फोटोग्राफर रवि कुमार ने बताया कि वो गांव खेदड़ से शादी समारोह की वीडियोग्राफी करके देर रात साढ़े 12 बजे बाइक पर बरवाला अपने घर आ रहा था। मंडी रोड पर गलत दिशा से आ रही कार ने बाइक कोटक्कर मारी जिससे वो बाइक समेत सड़क पर गिर पड़ा। इतने में तीन चार अज्ञात युवकों ने कार में से उतरकर उसके साथ मारपीट करके उसकी जेब में रखी लगभग 6 हजार रुपये की नकदी, कैमरा, दो स्टैंड, लाइट, इमरजेंसी बैटरी, बैटरी व 64 जीबी कार्ड लूट कर फरार हो गए। घायल फोटोग्राफर को उपचार के लिए सीएचसी बरवाला लाया गया जहां पर चिकित्सकों ने उसे नागरिक अस्पताल हिसार रैफर कर दिया।

- शादी समारोह से काम कर घर लौटते समय वारदात

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हंसकर बोले सीएम, मैं समझा गया आपकी भावना

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को ज्ञापन सौंपकर नर नील गाय को मारने वाला फैसला वापिस लिए जाने की मांग की है। टीटीसी में कृषि दर्शन एक्सपो का उद्घाटन करने पहुंचे मुख्यमंत्री को सभा ने नील गाय का स्मृति चिन्ह व अपना मांग पत्र दिया। जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आपकी भावनाएं समझता हूं।

अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा व हिसार जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने ये ज्ञापन मुख्यमंत्री को सौंपा। प्रतिनिधिमंडल

में उपरोक्त दोनों पदाधिकारियों के अलावा अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के राष्ट्रीय संयोजक धर्मसिंह खीचड़, उपाध्यक्ष विनोद खिलेरी मल्लापुर, जिला फतेहाबाद प्रधान राधेश्याम सरपंच गांव नागपुर, जिला बार एसोसिएशन हिसार के प्रधान एडवोकेट विनय बिश्नोई, जिला बाहर एसोसिएशन हिसार के पूर्व प्रधान एडवोकेट मनदीप बिश्नोई, खंड आदमपुर जीव रक्षा अध्यक्ष कृष्ण राहड़ व गांव काजला से सीताराम सहारण शामिल थे।

जिला प्रधान चन्द्र सिंह सहारण ने रविवार को बताया कि मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना और कहा कि मामला सरकार के संज्ञान में है, हम जनभावना के अनुरूप ही कार्य करेंगे और अधिकारियों को इस संबंध में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद सभा पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को नील गाय का फोटो लगा स्मृति चिन्ह दिया और कहा कि ये बोल नहीं सकते हम बोल सकते हैं। इस पर मुख्यमंत्री भी हंसे बिना नहीं रह सके और हंसते हुए बोले कि मैं आपकी बात अच्छे से समझ गया।

नोटिफिकेशन पर लग चुकी है रोक, जताया आभार

प्रदेश अध्यक्ष विनोद कड़वासरा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में प्रधान मुख्य वन संरक्षक, हरियाणा सरकार से बात की है। वन संरक्षक ने जानकारी दी कि 07 नवंबर 1996 को उस समय सरकार द्वारा इस तरह का आदेश जारी किया गया था। इसके बाद अब सरकार द्वारा नया कोई आदेश जारी नहीं किया। फिर भी जन भावनाओं को मद्देनजर रखते हुए वन्य प्राणी संरक्षण नियम-2024 के नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी गई है, इस पर पुनर्विचार किया जाएगा। अखिल भारतीय जीव रक्षा बिश्नोई सभा के पदाधिकारियों ने हरियाणा सरकार का इस मामले में तुरंत संज्ञान लेने व गंभीरता से विचार करने पर संपूर्ण समाज एवं वन्य जीव प्रेमियों की ओर से आभार जताया है। सभा पदाधिकारियों के अनुसार इस संबंध में जल्द ही मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक होगी जिसमें राज्य के कुछ इलाकों में नीलगायों की अधिक संख्या होने के कारण समस्याग्रस्त किसानों को राहत देने के लिए मारने की अनुमति के अलावा अन्य मानवीय समाधानों व मुआवजा इत्यादि देने जैसे विकल्पों पर विचार होगा।

हिसार। पुलिस में शिकायत देते क्षेत्रवासी।

रामपुरा मोहल्ला में अवैध पीजी में चल रही असामाजिक गतिविधियां

हिसार। शहर के रामपुरा मोहल्ला में अवैध रूप से संचालित पीजी (पेइंग गेस्ट) और उनसे जुड़ी असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने पुरानी सब्जी मंडी चौकी में शिकायत दर्ज करवाई है। इस शिकायत का नेतृत्व रामपुरा मोहल्ला एसोसिएशन के प्रधान आशीष गोदारा ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में मोहल्ले के लोग शामिल हुए। रविवार को शिकायत में कहा है कि बिना किसी अनुमति और पुलिस सत्यापन के चल रहे पीजी से क्षेत्र में अपराध, असुरक्षा और सामाजिक समस्याएँ बढ़ रही हैं। इस मुद्दे को लेकर हिसार पुलिस के चौकी इंचार्ज को शिकायत सौंपी गई और अवैध पीजी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई।

तब तक लड़ना मत छोड़ो जब तक अपनी तय की हुई जगह पर ना पहुँच जाओ- यही, अद्वितीय हो तुम। ज़िन्दिगी में एक लक्ष्य रखो, लगातार ज्ञन प्राप्त करो, कड़ी मेहनत करो, और महान जीवन को प्राप्त करने के लिए दृढ़ रहो। **- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम**

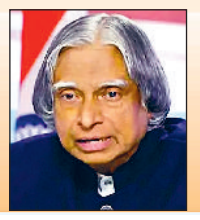

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कहानी
सुरेश वशिष्ठ

मिताली का मौन

मिताली बहुत खुश थी। हिमाचल की हसीन वादियों में जन्मी, पली, पढ़ी और अब साइबर सिटी-गुरुग्राम में एक अच्छी एमएनसी कंपनी में नौकरी पर ज्वाइन करने जा रही थी। इसी से वह बहुत खुश दिखाई दे रही थी।

वह विचार करने लगी- 'कैसा होगा वहाँ का परिवेश? कंपनी के संगी-साथियों के साथ कैसे बीतेंगे दिन।....और कब गृहस्थ जीवन में होगा पदार्पण?' यही सवाल अंतस् में उठ रहे थे। सवाल उठते और जवाब भी स्वतः ही उभर आते। और तब... कोई सिहरन, चहक आनंद से देह को भरने लगती थी।

आज मिताली ने एमएनसी कंपनी में ज्वाइन कर लिया था। ऑफिस बहुत सुंदर था। उसे मिलाकर कुल सात लोग उस ऑफिस में काम करते थे। सभी उससे सीनियर थे। तीन लड़कियाँ और चार लड़के पहले से थे। मिताली और ललित ने एक साथ ज्वाइन किया, तो अब चार लड़कियाँ और पाँच लड़के, कुल नौ हो गए। ललित को मिताली ने देखा तो वह नजरों में बस गया। पहले से कार्यरत दो लड़कों और दो लड़कियों में बहुत अच्छी पटती थी। वे चारों दोपहर में एक साथ ही भोजन करते थे और अपने में ही मस्त रहते थे। मिताली, ललित और वैभव के बीच भी अच्छी कैमिस्ट्री जम गई थी। ये तीनों भी साथ-साथ ही भोजन करने लगे थे। दिन बीतने लगे, रातें चली जाती रही और मुलाकातें बढ़ती गई।

एक दिन, दूसरी उन दोनों लड़कियों ने अपने-अपने बॉयफ्रेंड से ब्याह रचा लिया। चारों बहुत खुश दिख रहे थे। ऑफिस में छोटी-सी एक पार्टी रखी गई और दिलफेंक हवाइयाँ भी चलीं। अगले दिन से सभी काम में व्यस्त हो गए। हर दिन उन्हें एक नया अनुभव देता रहा। दोनों लड़के और लड़कियाँ खुशहाल थे। पता चला कि शादी को लेकर एक लड़की का परिवार बहुत नाराज था। शादी में वह शामिल भी नहीं हुआ था। कारण यह कि दोनों की जातियाँ अलग-अलग थीं। लड़की ब्राह्मण थी और लड़का दलित परिवार से था।

पिता ने कहा- 'हमारी कोई बेटी नहीं। पैदा तो हुई थी पर जवानी की दहलीज पर पैर रखा ही था कि मौत हो गई।' लोगों ने कहा- 'ऐसा क्यों बोल रहे हो?' आहत पिता बोले- 'अनुभव है। विगत के झूठे इतिहास को सच मानकर जीने वाले, अपनी संस्कृति से मुँह मोड़ने वाले ये लोग, अब हमारे नहीं रहे। उनसे नाता जोड़ लेना सही नहीं है।'

कुछ दिन बीते। लड़की के व्रत रखने और पूजा-पाठ पर कलह शुरू होने लगी। जिरह होती रही और भीमराव अंबेडकर की महानता के बीच भगवान श्रीराम का चरित्र फीका पड़ने लगा। चेहरे पर से खुशी जाती रही। तनाव साफ-साफ दिखने लगा था।

फिर एक दिन, लड़की आई और कंपनी में अपना त्यागपत्र देकर चली गई। सुना यह था कि उसने दूसरे किसी शहर में किसी नई कंपनी में ज्वाइन कर लिया है। लड़का कुछ दिन मायूस रहा और फिर वह भी एक दिन जॉब छोड़कर चला गया। विवाह का पवित्र वह बंधन टूट चुका था। ललित ने अपने बैग से गुलाब का एक सुंदर फूल निकाला। घुटनों पर बैठकर वह उसे मिताली को देने लगा। मिताली ने पूछा--'यह क्या है?' उसने कहा--'तुम्हें देने का मन हुआ है।' मिताली ने उसे हाथों में पकड़ लिया। वह नहीं जानती थी कि फूल हाथ में पकड़ लेने से लड़कों की सोच बदलने लगती है। बगैर कुछ सोचे समझे उसने तो यूँ ही फूल को हाथों में थाम लिया था। नहीं मालूम था कि गुलाब हाथों में थाम लेना प्रीत की स्वीकारोक्ति है? ललित ने मिताली से कहा--'अच्छी फिल्म लगी है, देखने चलें?' मिताली ने मना कर दिया। उसे आश्चर्य हुआ और पूछने लगा--'क्यों नहीं जाना चाहती?' मिताली बोली--'जिसके साथ ब्याह होगा, उसी के संग फिल्म देखने जाऊँगी।' ललित बोला--'ब्याह मुझसे कर लो?' मिताली कहने लगी- 'घरवाले जहाँ चाहेंगे, वहीं शादी करूँगी। मुझे समाज में अपने पिता का सिर नीचा नहीं करना है।'

अगले कुछ रोज, ललित मिताली से दूर-दूर ही रहा। दोनों के बीच बातचीत भी कम होने लगी। दोपहर में भोजन तो तीनों साथ कर रहे थे लेकिन नाराजगी साफ दिख रही थी।

दूसरे युवक का नाम वैभव था। एक दिन दोपहर भोजन के समय वैभव मिताली से पूछने लगा--'तुम्हारे बीच नाराजगी दिखाई दे रही है।' ललित तो चुप रहा लेकिन मिताली बोली--'नहीं तो! हमारे बीच कोई नाराजगी नहीं।' ललित ने जल्दी से भोजन किया और उठकर चल दिया। वैभव की नजरें दोनों के चहरों को पढ़ रही थी।

उस दिन, भोजन का समय था। टिफिन खुले और तीनों खाने में लग गए। कोई खाना शेयर भी नहीं कर रहा था। कहीं भीतर में खटास थीं। सभी ने गहरी चुप्पी ओढ़ ली थी। वैभव ने मिताली और ललित को गौर से निहारा, फिर मिताली के चेहरे को पढ़ते हुए वह बोला--'मिताली, मैं नासमझ नहीं। तुम्हारे और ललित के बीच बहुत कम बातें हो रही हैं। नाराजगी साफ दिख रही है और यह नाराजगी नई नहीं है। दिनों-दिन बढ़ रही इस नाराजगी का हल निकाल लेना चाहिए। आपस की बात-चीत चलती रहे तो अच्छा लगेगा।' ललित से भी उसने पूछा--'ललित, बोलो तो किस बात पर नाराजगी है?' कुछ देर तो उसने कुछ कहा नहीं, फिर कई बार कुरेदने पर वह बताने लगा--'मैंने प्रीत का इजहार किया था, मिताली ने उसे एक्सेप्ट भी किया था लेकिन अब वह दूर जा रही है।'

'मैं कहाँ दूर जा रही हूँ।' मिताली बोली, 'तुम्हारी हर बात का तो खयाल रखती हूँ। उस रोज तुमने शादी की बात की थी, उस पर मेरा साफ निर्णय हैं--'मेरे पिता जिसके हाथ में भी मेरा हाथ देगें, वही मुझे स्वीकार होगा ! मैं स्वयं से कोई पहल नहीं करूँगी।'

थोड़ी देर चुप्पी रही। फिर वैभव बोला--'सही तो कहा मिताली ने, इसमें क्या गलत है? वह घर की मर्यादा से बाहर नहीं जाना चाहती। और यह तो अच्छी बात है। तुम्हें यह बुरा क्यों लग रहा है?' ललित कुछ नहीं बोला और टिफिन उठाकर चला गया।

मिताली आज बहुत खुश थी। सात-आठ दिन की छुट्टी के बाद वह ऑफिस लौटी थी। सभी से हैलो-हॉय के बाद उसने चमचम और मीठी रसमलाई सभी के लिए परोसी और उनकी टेबुल पर रखती चली गई।

वैभव ने पूछा--'किस खुशी में?' मिताली बोली--'पहले खा लीजिए, खुशी भी बतला ही दूँगी।' सभी ने परोसी गई मिठाइयाँ खा लेने के बाद उसे थैक्यू कहा और मिठाई खिलाने का कारण जानना चाहा। मिताली बताने लगी--'छुट्टियाँ काटकर आई हूँ। इन छुट्टियों में घरवालों ने मेरा रिश्ता पक्का कर दिया है। अगले महीने मेरी शादी है।' ललित के चेहरे से रौनक गायब हो गई। वह उठा और चुप अपनी सीट पर जा बैठा। बाकी सभी मिताली को बधाई देने लगे। मिताली की धूमधाम से शादी हुई। ऑफिस से ललित को छोड़कर बाकी सभी शादी में शामिल हुए। ललित चुप-चुप और गमगीन रहने लगा। मिताली लंबी छुट्टी पर चली गई। ललित हर किसी से बहुत कम बातें करने लगा था।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था? आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

ससुराल के नये घर में मिताली का खूब आदर सत्कार हुआ। रस्में पूरी हुई तो रात सुहानी का इंतजार होने लगा। दुलहन की पोशाक में सजी, सेज पर वह पति का इंतजार कर रही थी। रात बीती जा रही थी और पति जाने कहाँ गायब था?

आधी रात, ननद से मिताली को पता चला कि उसका पति तो अपने दोस्तों के साथ किसी हिल स्टेशन पर घूमने चला गया है।

वह अचम्भित रह गई। सोचने लगी--'यह कैसा पति है, जो सुहानी रात पत्नी को छोड़कर चला गया।' मन में अनेक शंकाएँ जागने लगीं और बुरे खयाल उसे घेरने लगे। शादी के बाद मिताली ससुराल से घर लौटकर आई। चेहरे पर कोई खुशी नहीं थी। माँ ने ससुराल के लोगों के स्वभाव को लेकर अनेक प्रश्न किए। वह कुछ नहीं बोली। पिता ने भी कुछ पूछना चाहा, उसने टाल दिया। माता-पिता परेशान होने लगे। बेटे के चेहरे की तरफ देखते और आहत होते। फिर एक दिन, मिताली ने पिता से कहा--'मैं अपनी जॉब पर जाना चाहती हूँ।' पिता बोले--'दामाद जी राजी होंगे क्या?' वह उठकर चली गई। पिता उसे देखते रह गए।

दिन बीते। एक रोज मिताली की माँ ने बेटी से कहा--'दामाद जी तुझे लिवाने आ रहे हैं। तुम्हारी सास का संदेशा भी आया है।' मिताली बोली--'उन्हें मना कर दो ! मैं कहीं जाने वाली नहीं। अगर जाउँगी तो अपनी जॉब पर !' माँ बोली--'सास का कहना है, हमें जॉब नहीं करानी।' मिताली ने कहा--'मुझे जॉब पर ही जाना है, ससुराल नहीं जाना।' और वह उठकर चली गई।

माता-पिता समझ नहीं पा रहे थे कि यह उसमें कैसा परिवर्तन है? उन्हें कोई रास्ता नहीं सूझ रहा था। पूछने की बहुत कोशिश हुई लेकिन मिताली ने जुबान नहीं खोली। सास को मिताली का निर्णय बताया गया, तब वहाँ से भी उसे लिवाने कोई नहीं आया।

मिताली ने पैकिंग की और जॉब पर जाने को तैयार हो गई। पिता बोले--'यह तुम्हारा गलत निर्णय है। ससुराल जाने में तुम्हें आपत्ति क्या हैं?'

'मैं वहाँ नहीं जाउँगी।' मिताली ने साफ-साफ कहा। 'कारण क्या है, कुछ तो कहो?' पिता जोर देकर पूछने लगे।

'उन्हीं से कारण भी पूछ लेना।' दृढ़ स्वर में मिताली ने पिता से कहा। पिता फिर भी कुछ नहीं समझ पाए और मिताली को जॉब पर चले जाने दिया।

दोपहर के खाने में वैभव ने स्वीट्स परोसी। ललित पूछने लगा--'किस खुशी में?' वैभव मुस्करा दिया और बोला--'मुझे पैप्सी में अच्छा ऑफर मिला है। यहाँ नोटिस देकर मैं वहाँ चला जाऊंगा।' सबको खुशी हुई। मिताली थोड़ा असहज हो गई। ललित पहले की तरह बातें करने लगा था, लेकिन मिताली सहज नहीं हो पा रही थी। अगले दिन, वैभव ने मिताली से पूछा--'जॉब पर रहते हुए ससुराल से आना-जाना कैसे रहेगा?' उसने जवाब नहीं दिया।

वैभव ने फिर उसे टोका--'हसबैंड क्या यहीं आकर रहेंगे?' उसने वैभव पर नजरें डाली और घूरते हुए पूछने लगी--'किसलिए?' कहने के ढंग से तीक्ष्ण तीर-सा चुभ गया। वैभव कुछ समझ न सका।

छुट्टी का दिन था। मिताली के पिता बेटी से मिलने ऑफिस आए। साथ में मिताली की माँ भी थी। कुछ देर बाद ललित और वैभव का भी वहाँ आना हुआ। चाय के लिए सभी साथ-साथ बैठे। परिचय के बाद शादी की बातों का दौर चला। फिर सिलसिले खुलने लगे। मिताली के ससुराल नहीं जाने पर जिक्र भी चला। वैभव कारण पूछने लगा। मिताली चुप रही।

माँ ने अपना पक्ष रखा। पिता समाज की दुहाई देते रहे। ललित भी जानना चाहता था कि वह ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती। मिताली खीज उठी। देर तक चली जिरह में मिताली आक्षेप सुनती रही, चुप रही। लेकिन सभी तो कारण जानने को इच्छुक थे।

तब, मिताली द्रवित हो उठी। खीजकर बोली--'आप सभी जानना चाहते हैं कि मैं ससुराल क्यों नहीं जाना चाहती....तो सुनो, जिस लड़के से मेरी शादी हुई है, वह समलैंगिक है। मुझ में उसे इंट्रेस्ट नहीं है।' गहरा मौन पसर गया। वातावरण स्तब्ध था और मिताली की आँहें उसे तड़पा रही थीं।

कविता
अर्चना कोचर

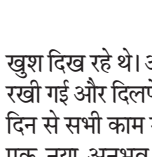

माफीनामा लिखते हस्ताक्षर

बच्चों की हर मनमानी पर, हमारे हस्ताक्षर चिपकने लग गए हैं
उनकी हर गलती पर माफ़ीनामा, हम लिखने लग गए हैं।

क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात में
हम अपनी उम्र से कुछ ज्यादा, बड़े दिखने लग गए हैं।

बहुत बड़े परिवार हुआ करते थे, हमारे बड़े-बुजुर्गों के
जनसंख्या वृद्धि में हम, हमारे दो पर टिकने लग गए हैं।

खोखली नींवों को दस्तक देते, आधुनिकता के रंग में रंगें बच्चों को
हमारे दो बच्चों वाले परिवार भी, अखरने लग गए हैं।

शादी की उम्र को उच्च महत्वाकांक्षाओं में खपाने वाले बच्चे
सृष्टि सृजन में, एग फ्रीज करवाने लग गए हैं।

फल-फूल रहे हैं, विदेशी उड़ान के सपने
लड़का-लड़की दोनों कमाने लग गए हैं।

वृद्धा आश्रम में भी, मां-बाप ने पलकों पर बैठाए हैं बच्चे
बच्चों को नौकर-चाकर, अभिभावक लगने लग गए हैं।

शादी की पवित्रता के, वैचारिक मत-मनभेद में, अधेड़ उम्र के बच्चों को
ब्याहने की बेबसी में, हम भी आंखें मूंदने लग गए हैं ।

लिव इन रिलेशनशिप की रीत-प्रीत में, बंध रहे हैं बच्चे
हम भी बिन फेरे-हम तेरे वाले बंधन पर, आशीर्वाद बरसाने लग गए हैं ।

कान तरस जाते हैं, बच्चों की किलकारियां सुनने में
घरों में भौं-भौं टामी, पलने लग गए हैं।

उम्र बीत रही है हमारी भी, बच्चों को सृष्टि सृजन समझने-समझाने में
वो पुरातनपंथी का टैग, हम पर लगाने लग गए हैं।

मोह-ममता की विवशता में, उनकी हर मनमानी पे
हम भी माफीनामा लिखे अपने हस्ताक्षर, चिपकाने लग गए हैं।

कविता
राकेश कुमार सपड़ा

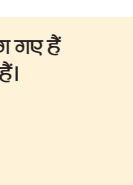

अपना सा लगता है

ये समुद्र जो लहरों की
मौज पर अपनी मचलता है
ये तन्हा है फिर भी
जाने क्यों सबको
अपना सा लगता है।

ये आसमान नीला
प्रतिबिंब इसका
इसमे झलकता है
ये सूरज गर्मी से
जिसकी जाने
क्या क्या पिघलता है
विचरता है दिन भर
आराम इसको भी
शाम ढलते इसकी
ही आगोश में ही
आ के मिलता है।

झाँके कोई इसमे
गहरा कितना ही
थाह इसका नहीं
किसी को मिलता है
ये चांद पूर्णिमा को
इसी के जल को
तरसता है।

बैठा हूँ किनारे पर इसके
लहरें इसकी छू के
लौट जाती हैं

काश रुक जाती तो
पूछ लेता इनसे
क्यों नहीं रुक के
दो पल
हाल सफर का सुनाती है ?

ये नाता लहरों का सागर से
कितना गहरा होता है
होता शुरू इसी से
खत्म इसी में होता है।

हास्य व्यंग्य, काव्य और लघु कथाओं से समाज को सकारात्मक संदेश दे रहे वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शामलाल कौशल का कहना है कि साहित्य में आई गिरावट का कारण शॉर्टकट के रास्ते लोकप्रियता हासिल करने का प्रयास है। लेखकों को भी बदलते सामाजिक परिवेश के अनुसार साहित्य संवर्धन करने की आवश्यकता है। तभी समाज और संस्कृति को जीवंत रखने की कल्पना की जा सकती है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

सामाजिक विसंगतियों को दूर करने का माध्यम साहित्य: शामलाल कौशल

साहित्य जगत में समाज को नई दिशा देने के मकसद से ही लेखक साहित्य साधना करते आ रहे हैं। मूर्धन्य विद्वानों ने साहित्य को समाज का दर्पण माना है। इसलिए लेखक और साहित्यकार अपनी विभिन्न विधाओं में सामाजिक सरोकार के मुद्दों पर साहित्य साधना करके समाज को अपनी संस्कृति और सभ्यता के प्रति सकारात्मक संदेश देते आ रहे हैं। हरियाणा की समृद्ध संस्कृति के संवर्धन में जुटे शिक्षाविद् एवं लेखक शामलाल कौशल भी आलेख, काव्य, हास्य व्यंग्य और लघु कथाओं जैसी विधाओं से अपने रचना संसार को बढ़ाकर साहित्य और समाज को एक-दूसरे के पूरक होने की सार्थकता को सिद्ध करने में जुटे हैं। हरिभूमि संवाददाता से बातचीत में वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. शामलाल कौशल ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर कई ऐसे पहलुओं को उजागर किया, जिसमें आजकल सामाजिक विसंगतियों के कारण दूर होती सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर जैसी परंपराओं को जीवंत करने में साहित्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का माध्यम है।

प्रकाशित पुस्तकें

प्रो. शामलाल कौशल की प्रकाशित 15 पुस्तकों में लेख संग्रह-जीना एक कला है तथा खुश कैसे रहें, काव्य संग्रह-यही तो जिंदगी है, हास्य व्यंग्य संग्रह-यह दुनिया पागलखाना, कुंवारों का संडे बाजार व आज्ञाकारी पति होने के फायदे, लघुकथा संग्रह-अगर मां होती, हास्य व्यंग्य-ऐ बेशर्मी? तेरी सदा ही जय हो, लघु कविता संग्रह- जिनकी नहीं होती मां, अभी तो मैं जवान हूं और मेरे हीरो मेरे मां बाप, कहानी संग्रह-पिंजरे के पंछी सुर्खियों में हैं। वहीं लेख संग्रह- तनाव ही तनाव भी उनकी कृतियों में शामिल है।

शामलाल कौशल

पुरस्कार व सम्मान

प्रो. शामलाल कौशल को साहित्य साधना के लिए अनेक पुरस्कारों से नवाजा जा चुका है। हरियाणा साहित्य अकादमी ने उन्हें हास्य व्यंग्य संग्रह 'आज्ञाकारी पति होने के फायदे' के लिए सर्वश्रेष्ठ कृति सम्मान से अलंकृत किया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री 'साहित्य रत्न' पुरस्कार, निर्मला स्मृति आजीवन हिंदी साहित्य साधना सम्मान के अलावा कई राज्यों की साहित्यिक संस्थाओं द्वारा अनेक बार सम्मान देकर पुरस्कृत किया जा चुका है।

प्रारंभिक दिन बहुत कठिन और संघर्ष के बीच बीते। इसी बीच साल 1953 में पिता के निधन के कारण पढ़ाई करना मुश्किल था, लेकिन फिर भी उन्होंने किसी तरह संगरूर के राज हाई स्कूल से मैट्रिक पास की। गवर्नमेंट रणबीर कॉलेज से बीए पास किया, जहां उन्हें अर्थशास्त्र पढ़ाने वाले शिक्षक तथा समाजसेवी प्रोफेसर मुंशी राम वर्मा ने उनके लिए एक अभिभावक की भूमिका निभाई और हरसंभव सहायता की। बाद में उन्होंने पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला से एमए (अर्थशास्त्र) उत्तीर्ण की। 1966 में हरियाणा के गोहाना में हरियाणा वार हीरोज मेमोरियल कॉलेज में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर के तौर पर उनकी नौकरी लगी। 1981 में यही कॉलेज सरकारी बन गया और यहां करीब 36 साल अध्यापन करने के बाद 2001 में वह सेवानिवृत्ति हुए। बकौल शामलाल कौशल, हमारे परिवार में किसी की भी साहित्य में रुचि नहीं रही है। परिवार में शायद वह अकेले सदस्य थे, जिन्हें बचपन से ही अखबार पढ़ने की रुचि रही है। अपने कॉलेज की पत्रिका में भी उनके लेख भी नियमित तौर पर लेख प्रकाशित होते रहते थे। प्रो. शामलाल ने बताया कि सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने लेखन कार्य शुरू किया, जिसके लिए उन्हें डॉ. श्याम सखा, डॉ. मधुकांत जैसे कई ऐसे मूर्धन्य विद्वान और साहित्यकारों की प्रेरणा और मार्गदर्शन में कई विधाओं में अपने रचना संसार को लगातार दिशा दी। इसमें उन्होंने सबसे पहले एक हास्य व्यंग्य लिखा, जिसके बाद लघु कथाएं लिखनी शुरू की। खास बात ये भी है कि सेवानिवृत्ति के बाद साहित्य लेखन से ही उनका समय बहुत आसानी से गुजर रहा है और वरिष्ठ साहित्यकारों से मुलाकात और कार्यक्रमों में हिस्सेदारी से उनके ज्ञान में वृद्धि तथा सम्मान मिल रहा है। वे कहते हैं कि साहित्य समाज का दर्पण है। साहित्य का प्रभाव समाज पर पड़ता है और समाज भी साहित्य को प्रभावित करता है। लेकिन आज के समय में अच्छे साहित्य का अभाव इसलिए पनपा है क्योंकि हमारा समाज भी आजकल सभ्यता, संस्कृति, नैतिकता और बड़ों के प्रति आदर व ईमानदारी से दूर होता जा रहा है। हालांकि जिन्हें साहित्य का जुनून है वह अभी साहित्य साधना में जुटे हैं, लेकिन भौतिकतावाद के इस युग में साहित्य के प्रति पाठकों की रुचि पहले के मुकाबले में बहुत कम हो रही है। युवा पीढ़ी में साहित्य के प्रति रूझान न होने का कारण वह अपने करियर को लेकर इंटरनेट का ज्यादा सहारा ले रहे हैं। समाज के ताने बाने को संस्कृति के अनुरुप संजोने के लिए युवा पीढ़ी को साहित्य के लिए प्रेरित करने की बहुत जरूरत है। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में साहित्य से संबंधित सामग्री पाठ्यक्रमों में शामिल करके शिक्षक साहित्य की विभिन्न विधाओं के बारे में छात्रों को संस्कारी बना सकते है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : प्रो. शामलाल कौशल
जन्मतिथि : 9 दिसंबर 1943
जन्म स्थान : डेरा ग़ाज़ी खान (पाकिस्तान)
शिक्षा : एमए (अर्थशास्त्र, अंग्रेजी,राजनीति शास्त्र)
संप्रति : लेखक, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, राजकीय महाविद्यालय, गोहाना।

जानकारी से परिपूर्ण है एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज

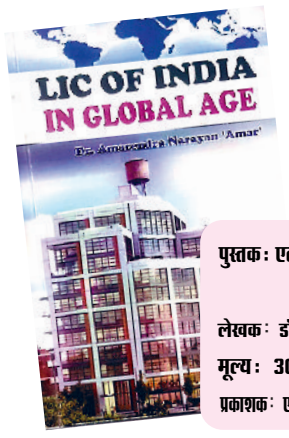

पुस्तक : एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज
लेखक : डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर'
मूल्य : 300 रुपये (पेपरबैक)
प्रकाशक : एकेडमिक एक्सीलेंस, नई दिल्ली

पुस्तक समीक्षा
प्रो. एच.के. सिंह

पुस्तक एलआईसी ऑफ इंडिया इन ग्लोबल एज यानि भूमंडलीय युग में भारतीय जीवन बीमा निगम भारतीय जीवन बीमा के स्वरूप का भीतरी एवं बाह्य अध्ययन प्रस्तुत करता है और भारतीय परिप्रेक्ष्य में इसके उद्देश्यों को भी। पिछले कुछ वर्षों में भारत में बीमा के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ी है। चाहे जीवन बीमा हो या साधारण बीमा, व्यक्ति को आर्थिक एवं मानसिक सुरक्षा प्रदान करता है। देश में बीमा के बारे में जानकारी देने वाले पुस्तक काफी कम हैं। डॉ. अमरेन्द्र नारायण 'अमर' द्वारा लिखित यह पुस्तक बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के साथ -साथ उसकी विपणन रणनीति, विभाजन, लक्ष्यीकरण और स्थिति निर्धारण प्रस्तुत करती है एवं संबंधित नियमों आदि के बारे में सूचनाएं देकर पुस्तक को आम जनता के लिए उपयोगी बनाती है। यह पुस्तक अपनी गुणवत्ता और सरलता से बीमा के विषय में उल्लेखनीय जानकारी के कारण विपणन व्यूहरचना और विद्वतापूर्ण वाद-विवाद के अन्दर स्वयं को आधारित करता ही है, साथ ही अपनी दूरदृष्टि से यह पुस्तक भूमंडलीय परिवर्तन के समय विपणन के विभिन्न प्रकारों और भारतीय जीवन बीमा के व्यूहरचनात्मक विपणन पर भी विद्वतापूर्ण चर्चा करते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम के परिचालन प्रदर्शन के साथ-साथ संघटनात्मक संरचना और विपणन नीतियों, योजनाओं और रणनीतियों को बहुत अच्छे तरीके से बताता है। सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इस किताब की यह है कि एक ही जगह कोई शोधार्थी या व्यक्ति भारतीय जीवन बीमा निगम के स्वरूप एवं प्रकार को तो जान ही सकता है तथा उसकी कार्यप्रणाली ओर उसकी व्यूह योजनाओं को समझने के लिए विपणन को विभिन्न व्यूहयोजनाओं एवं उसके सिद्धान्तों के भी दिग्दर्शन कर सकता है। बीमा, खोज तथा शिक्षा के क्षेत्र में यह लेखक का सराहनीय कार्य और लेखक इसके लिए धन्यवाद के पात्र हैं। यह बीमा क्षेत्र की बेहतरीन पुस्तकों में से एक है। जो व्यक्ति बीमा सलाहकार के रूप में अपना करियर चुन रहा है, वह बीमा उद्योग में अच्छा भविष्य बना सकता है। यह पुस्तक छात्रों, शोधकर्ताओं और कंपनियों के लिए एक मूल्यवान परिसंपत्ति और मार्गदर्शिका है

खबर संक्षेप

शराब तस्करों के खिलाफ चलाया अभियान, 7 काबू

फतेहाबाद। एसपी आस्था मोदी के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा शराब तस्करों के खिलाफ विशेष अभियान चलाते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। थाना भट्टूकलां पुलिस की टीम पीएसआई जगतपाल के के नेतृत्व में गश्त पर थी। पुलिस ने किरढ़ान रोड पर बिजली घर के पास प्लास्टिक कट्टे लिए आते एक युवक को शक के आधार पर काबू किया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम मनीष पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी गुजरा मोहल्ला भट्टूकलां बताया। पुलिस ने उसके पास से 15 बोतल ठेका शराब देसी बरामद की।

दो बाइक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत

फतेहाबाद। गांव खैरातीखेड़ा के समीप दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं आरोपी बाईक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव खैरातीखेड़ा निवासी भतेरी देवी ने कहा है कि उसका पति राजेन्द्र कुमार मजदूरी का काम करता था। गत दिवस राजेन्द्र अपने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव के खेत से वापस घर आ रहा था। जैसे ही वह गांव के पास पहुंचा तो सामने से आ रहे एक अन्य मोटरसाइकिल के चालक ने सीधी टक्कर दे मारी।

पुलिस ने जांचे होटल धर्मशालाओं के रिकॉर्ड

डबवाली। पुलिस प्रशासन ने रविवार को उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र के नेतृत्व में होटल, धर्मशालाओं व कैफे में जांच का विशेष अभियान चलाया। सुरक्षा शाखा प्रभारी ने संचालकों को उनके यहां काम करने वाले कर्मचारियों को वेरिफिकेशन व रुकने वाले का रिकॉर्ड रखने के निर्देश दिए। थाना प्रभारी सुभाष चंद्र ने निर्देश दिए कि उनके पास आने वाले लोगों को बिना आईडी कार्ड के किसी भी व्यक्ति को कमरा नहीं दिया जाए।

लायंस क्लब सदस्यों ने गोशाला में की सेवा

रतिया। लायंस क्लब रतिया सिटी समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अग्रणी भूमिका निभाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। लायंस क्लब के सदस्य सतीश सरदाना के जन्म दिवस के अवसर पर श्री गुरु नानक गोशाला रतिया में हरा चारा की सेवा की गई। क्लब के सदस्य अपने जन्म दिवस पर, वैवाहिक वर्षगांठ पर, माता-पिता की पुण्यतिथि पर ऐसे पुण्य के कार्य हमेशा करते रहते हैं। क्लब सचिव गोपाल चंद कुलरियां ने बताया कि सोमवार को निःशुल्क आंखों का जांच कैंप आयोजित किया जाएगा। फतेहाबाद रोड पर गुरु नानक आंखों के अस्पताल में आंखें निशुल्क जांच की जाएंगी और फिर चिन्हित करके उनके लैंस वाले फ्री ऑपरेशन किए जाएंगे। कैम्प में डॉ. संदीप तायल पीजीआई चंडीगढ़ ऑपरेशन करेंगे। इस मौके पर पर कवीरभान बंसल, डॉ. सोमचंद गोयल, उपाध्यक्ष हरबीर जोड़ा उपाध्यक्ष जीवन रहेजा आदि उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र में होने वाले 1008 कुंडीय महायज्ञ का निमंत्रण देने न्याणा व धांसू गोशाला पहुंचे संत

महाकुंभ से पांच हजार लीटर संगम का जल लाकर 27 को ब्रह्मसरोवर में छोड़ा जाएगा: हरिओम जी महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा से काफी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ में स्नान के लिए पहुंचे हैं लेकिन जो लोग किसी कारणवश महाकुंभ नहीं पहुंच पाए उनके लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है। महाशिवरात्रि के अवसर पर संगम से 5 हजार लीटर जल भर कर कुरुक्षेत्र लाया जाएगा। संगम के पवित्र जल को 27 फरवरी के दिन ब्रह्मसरोवर में डाला जाएगा। जिससे ब्रह्मसरोवर में स्नान कर श्रद्धालु महाकुंभ के समान ही पुण्य लाभ अर्जित कर सकते हैं। जगतगुरु त्रिपुरा पीठाधीश्वर चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट पूज्य श्रीश्री 1008 श्री हरिओम जी महाराज ने प्रदेश भर में निकाली जा रही धर्म जागृति यात्रा के दौरान रविवार को न्याणा व धांसू गांव की गौशालाओं में पहुंचने पर अपने संबोधन में कही।

कुरुक्षेत्र के केशव (थीम) पार्क में आगामी 18 से 27 मार्च तक नौ दिवसीय 1008 कुण्डीय शिव-शक्ति महायज्ञ होगा। हिसार के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं अग्रसेन भवन के प्रधान अंजनी खारिया महायज्ञ के मुख्य यजमान हैं।

हिसार। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हरिओम जी महाराज। फोटो: हरिभूमि

कम्युनिटी हॉल के निर्माण के लिए किया भूमि पूजन

बरवाला। मेन रोड स्थित श्री नव ज्योति दुर्गा सनातन धर्म मंदिर में कम्युनिटी हाल के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। एडवोकेट संजय मक्कड ने बताया कि यह भूमि पूजन नगरपालिका प्रधान रमेश बेटरीवाला और मंदिर कमेटी संरक्षक भीम सैन मक्कड़ तथा मंदिर कमेटी प्रधान ओमप्रकाश सेतिया ने संयुक्त रुप से किया। भूमि पूजन की अध्यक्षता पंजाबी महासभा के राष्ट्रीय सचिव और मंदिर कमेटी संरक्षक महेंद्र नारंग ने की। यह भूमि पूजन पुरोहित श्याम सुंदर भारद्वाज की देखरेख में हिंदू रीति रिवाज के अनुसार पूरे मंत्रोच्चारण के साथ किया।

भव्य महायज्ञ होगा

मुख्य यजमान अंजनी खारिया व स्वामी श्री कृष्णानंद जी महाराज ने कहा कि 1008 कुंडीय महायज्ञ एक ऐतिहासिक आयोजन होगा। हरियाणा के लिए भव्य महायज्ञ का आयोजन 'न भूतो, न भविष्यति' की तर्ज पर पहली बार होगा। जनकल्याण हेतु होने जा रहे इस पावन कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में श्रद्धालुओं को भाग लेना चाहिए। महायज्ञ में भाग लेने के इच्छुक श्रद्धालुओं के लिए हिसार के अग्रसेन भवन से प्रतिदिन निःशुल्क बस सेवा भी रहेगी। स्वामी कृष्णानंद जी महाराज ने कहा कि हरियाणा व अन्य राज्यों का संत समाज भी इस अनुष्ठान में बढ़चढ़ कर भागीदारी व सहयोग करेगा। प्रधान जगदीश तायल ने कहा कि आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है।

इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाव के लिए हवन सबसे बेहतर उपाय: सत्यपाल अग्रवाल

- निर्माणाधीन देव धाम में हर रविवार को हवन की परंपरा के तहत तीसरे हवन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ऋषि नगर स्थित निर्माणाधीन देव धाम में प्रत्येक रविवार को हवन-यज्ञ करने की परंपरा के तहत आज तीसरे हवन का आयोजन किया गया। समिति के अध्यक्ष महावीर सैनी और कोषाध्यक्ष वीरभान बंसल ने बताया कि देव धाम में हर रविवार को किए जाने वाले हवन-यज्ञ को लेकर शहरवासियों में उत्साह है। समिति के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी भाग ले रहे हैं। हवन यज्ञ में मुख्य यजमान समाजसेवी मनीराम ने आहुतियां डालते हुए समस्त कल्याण की कामना की। इस अवसर पर देव धाम के वास्तु आर्किटेक्ट एवं यज्ञ-हवन विश्व कल्याण के अध्यक्ष सत्य पाल अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में तेजी से फैल रहे इन्फ्लूएंजा वायरस से बचाव के लिए हवन-यज्ञ सबसे उत्तम उपाय है।

हिसार। निर्माणाधीन देव धाम में हवन करते हुए समिति के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक। फोटो: हरिभूमि

सत्संग हमारे मन के अंदर के मैल को साफ करता है: रामचरण गुप्ता

हिसार। तरसेम नगर स्थित मंदिर सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता में जेठा रविवार पर सत्संग व भंडारे का आयोजन किया गया। बाबा बालकनाथ के भजनों पर श्रद्धालु झूमने लगे। श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए मंदिर के मुख्य सेवक राम चरण गुप्ता ने कहा कि सत्संग में मन की पवित्रता जरूरी है। मन की पवित्रता के बिना सत्संग का कोई लाभ नहीं है। उन्होंने कहा कि जैसे साबुन से हम अपने शरीर का मैल साफ करते हैं उसी तरह सत्संग हमारे मन के अंदर के मेल को साफ करता है। मन की पवित्रता से जब अंदर रोशनी होती है तब इंसान बुरे कर्मों की ओर कदम नहीं रखता और सुखी जीवन जीता है। संसार में सुखी जीवन जीने के लिए सत्संग सर्वोत्तम साधन है जिससे कि पिछले बुरे कर्मों से भी मनुष्य को मुक्ति मिलती है। रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें बच्चों को बचपन से ही गुरु की शरण में रखना चाहिए। गुरु की शरण से मिले ज्ञान से बच्चे रास्ता भटकने की बजाय सही मार्ग पर चलते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों को ऐसा संस्कारवान बनाओ कि कि हमें धन के पीछे दौड़ने की जरूरत ना पड़े।

छात्राएं प्रतिदिन पढ़े गायत्री मंत्र

- खेदड़ कन्या स्कूल में परीक्षा से पूर्व किया हवन

हरिभूमि न्यूज ⏭बरवाला

गांव खेदड़ में स्थित राजकीय कन्या उच्च विद्यालय के प्रांगण में परीक्षा से पूर्व यज्ञ का आयोजन कर परमात्मा से मंगल कामना की गई। इस कार्यक्रम का संचालन मास्टर देवेंद्र ने किया। यज्ञ के यजमान पुरोहित अनिल आर्य ने वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ यज्ञ में सभी की आहुतियां डलवाई। अनिल आर्य ने सभी छात्राओं को आह्वान किया कि सभी छात्राओं को प्रतिदिन गायत्री मंत्र का पाठ करना चाहिए ताकि परमपिता परमात्मा हमें सद्बुद्धि देकर, हमें सन मार्ग के लिए प्रेरित करें।

यज्ञ के यजमान मुख्य अतिथि स्कूल के प्रधानाचार्य रमेश कुमार ने सभी छात्राओं को परीक्षा में तनाव रहित होकर तैयारी करने के लिए प्रेरित किया और परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने की मंगल कामना की।

प्रधानाचार्य ने छात्रों को प्रेरणा दी कि परीक्षाएं हमारे जीवन में समय-समय पर होती रहती हैं। हमें धैर्य शक्ति सहनशक्ति के साथ में अच्छी तैयारी के साथ में परीक्षाओं को पास करना चाहिए जो कमियां रह जाती है उनमें सुधार करके फिर आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर ब्रजमोहन शक्ति, पुष्पा, स्वीटी, रेनू, रीना, राजबाला, राजेश, जयसिंह व महेन्द्र समेत सभी अध्यापक, अध्यापिकाएं और छात्राएं इत्यादि उपस्थित रहे।

बरवाला। राजकीय कन्या उच्च विद्यालय खेदड़ के प्रांगण में यज्ञ करते हुए।

सुप्रभात ध्यान आंतरिक शांति की ओर यात्रा: आचार्य दिनेश

हिसार। ओशो सिद्धार्थ फाउंडेशन के तत्वाधान में समर्थगुरु संघ ने अपने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। यह सेशन आचार्य दिनेश ने लिया। आचार्य दिनेश ने सुप्रभात ध्यान करवाया और बताया कि सुबह का समय हमारे दिन की दिशा तय करता है। जैसे सूर्य की पहली किरण नई ऊर्जा का संचार करती है, वैसे ही ध्यान (मेडिटेशन) हमारे मन और आत्मा को शांति प्रदान करता है। ध्यान केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा में ले जाने का एक साधन है। जब हम सुबह के शांत और पवित्र वातावरण में ध्यान करते हैं, तो हमारे मन की उलझनें धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं। यह हमें दिनभर के तनाव और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करता है। सुप्रभात ध्यान से हमारा मस्तिष्क तनावमुक्त होता है और हम स्पष्ट सोचने लगते हैं। इससे शारीरिक स्वास्थ्य सही रहता है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करता है और हृदय को स्वस्थ बनाता है। नियमित ध्यान से हम अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पा सकते हैं और ध्यान से हम अपने अंदर झांक सकते हैं तथा अपने वास्तविक स्वरूप को पहचान सकते हैं। सुप्रभात ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है।

लड़ाई-झगड़ों से रहें दूर: दिनेश मुनि

- जैन स्थानक में बच्चों के लिए शिविर का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु सुदर्शन संघ के मुनिराज संघ नायक शास्त्री पदम चंद महाराज के सुशिष्य एवं संघ संचालक नरेश चंद महाराज के आज्ञानुवर्ती पं. दिनेश मुनि महाराज व विनीत मुनि महाराज ठाणे-2 के सानिध्य में पीएलए स्थित जैन स्थानक में बच्चों के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर का रविवार को समापन किया गया। कल व आज बच्चों के उत्थान के लिए अनेक तरह की प्रतियोगिताएं करवाई गई। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रहने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। शिविर के समापन से पूर्व जैन स्थानक में धर्म सभा की गई जिसकी शुरुआत दिनेश मुनि महाराज ने उंगली पकड़कर चलना सिखाते हैं.. चलना सिखाते हैं, रास्ता दिखाते हैं.... भजन गाकर की। उन्होंने ने कहा कि जिंदगी में कभी लड़ना या झगड़ना नहीं। उन्होंने कहा कि जैसे मौसम का पारा हाई होता है तो हमसे बर्दाश्त नहीं होता, ठीक इसी तरह जब अंतरात्मा का पारा हाई होता है तो हम कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। लड़ाई झगड़े का व छींटाकशी का घर परिवार व समाज पर भी असर पड़ता है। उन्होंने सीख देते हुए कहा कि बच्चों के सामने झगड़ा नहीं करना चाहिए। इससे बच्चों पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि बच्चों में घर परिवार से ही सबसे पहले संस्कार आते हैं। जैसा वह देखता है और सुनता है, इसके बाद वही करने की उसे प्रेरणा मिलती है। लड़ाई झगड़े को निपटाने का प्रयास करना चाहिए। संतों का काम है आपस में जोड़ना, तोड़ना नहीं। उन्होंने एक शेर के माध्यम से संदेश दिया कि दुश्मनी का सफर कदम दो कदम का है.. तुम भी थक जाओगे हम भी थक जाएंगे। अर्थात लड़ाई झगड़े में कोई आनी जानी नहीं है। दिनेश मुनि महाराज ने कहा कि लड़ाई झगड़े की वजह कोई मुद्दा नहीं होकर केवल दो व्यक्तियों का अहंकार आपस में टकराता है और लड़ाई झगड़े से कभी कुछ भी नहीं निकलता। हमेशा नुकसान ही नुकसान होता है। हमें प्रेम प्यार की बात कम समझ में आती है किंतु लड़ाई झगड़ा की बात जल्दी समझ आती है। शांति पसंद तो है लेकिन उसे अपनाने की पहल नहीं की जाती।

हिसार। जैन स्थानक में धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर आधारित ध्यान सत्र

- ओशो ध्यान उपवन में साधकों ने शिव के विज्ञान भैरव तंत्र को समझा, सीखी ध्यान की विधियां
- विज्ञान भैरव तंत्र को समझकर ध्यान करते हुए आनंदमय जीवन व्यतीत करना संभव : स्वामी संजय

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

ओशो ध्यान उपवन में भगवान शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर आधारित ध्यान सत्र का आयोजन किया गया। तीन घंटे तक दो सत्र में ध्यान के विविध आयामों पर चर्चा की गई। इस दौरान सतगुरु ओशो द्वारा शिव के विज्ञान भैरव तंत्र पर दिए गए प्रवचनों को भी सुनने का अवसर मिला। इस ध्यान सत्र में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधकों ने हिस्सा लिया। ध्यान सत्र के आयोजक स्वामी संजय ने बताया कि साधकों को विज्ञान भैरव तंत्र के महत्व से भी रूबरू करवाया गया। उन्होंने कहा कि विज्ञान भैरव तंत्र को समझकर ध्यान करते हुए आनंदमय जीवन व्यतीत करना संभव है। उन्होंने बताया कि ध्यान सत्र के उपरांत साधकों को आगामी दो दिवसीय शिविर की जानकारी भी प्रदान की गई। 22 व 23 फरवरी को ओशो ध्यान उपवन में दो दिवसीय महाशिवरात्रि ध्यानोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया जाएगा। इस शिविर में विभिन्न क्षेत्रों से काफी संख्या में साधक हिस्सा लेंगे। शिविर के दौरान भगवान शिव की आराधना करते हुए ध्यान की सरल विधियों से रूबरू करवाया जाएगा। स्वामी संजय ने बताया कि सतगुरु ओशो ने विज्ञान भैरव तंत्र को बड़े ही सरल ढंग से समझाया है। उन्होंने अपने प्रवचनों में कहा है कि विज्ञान भैरव तंत्र की दुनिया बौद्धिक नहीं है, यह दार्शनिक नहीं है। सिद्धांत इसके लिए अर्थहीन हैं। यह विधि, तकनीक से संबंधित है, सिद्धांतों से बिल्कुल भी संबंधित नहीं है। तंत्र शब्द का अर्थ है तकनीक, विधि, मार्ग। इसलिए यह दार्शनिक नहीं है। इसका बौद्धिक समस्याओं और जांच-पड़ताल से कोई लेना-देना नहीं है। इसका संबंध चीजों के क्यों से नहीं है, इसका संबंध कैसे से है। सत्य क्या है इससे नहीं बल्कि सत्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है इससे है।

हिसार। ओशो ध्यान उपवन में आयोजित ध्यान सत्र में हिस्सा लेते साधक।

ओशो ने की विज्ञान भैरव तंत्र की व्याख्या

हिसार। ओशो ने कहा है कि तंत्र का अर्थ है विधि। अतः यह ग्रंथ वैज्ञानिक है। विज्ञान क्यों से संबंधित नहीं है, विज्ञान कैसे से संबंधित है। दर्शन और विज्ञान के बीच यही मूल अंतर है। दर्शन पूछता है यह अस्तित्व क्यों? विज्ञान पूछता है यह अस्तित्व कैसे? जिस क्षण आप प्रश्न पूछते हैं, कैसे? विधि महत्वपूर्ण हो जाती है। सिद्धांत अर्थहीन हो जाते हैं, अनुभव केंद्र बन जाता है। तंत्र विज्ञान है, तंत्र दर्शन नहीं है। दर्शन को समझना आसान है क्योंकि केवल आपकी बुद्धि की आवश्यकता है। आपको बदलने की आवश्यकता नहीं है, आपको किसी रूपांतरण की आवश्यकता नहीं है। जैसे आप हैं, आप दर्शन को समझ सकते हैं लेकिन तंत्र को नहीं। जब तक आप भिन्न नहीं होते, तंत्र को नहीं समझा जा सकता क्योंकि तंत्र एक बौद्धिक प्रस्ताव नहीं है, यह एक अनुभव है।

सेल्फ क्लीनिंग स्मार्ट पर व्यख्यान

- यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया के वैज्ञानिक डा. नूरहाफिजा बंटी हासिम ने गुजवि में दिया विशेष व्याख्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी मलेशिया (यूटीएम) के संयुक्त तत्वाधान में 'सेल्फ क्लीनिंग स्मार्ट मेटीरियल्स' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता यूटीएम के प्रसिद्ध संकाय सदस्य एवं शोधकर्ता डॉ. नूरहाफिजा बंटी हासिम थे। डा. हासिम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई से भी मिले। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि डा. हासिम का यह व्याख्यान गुजविप्रौवि और शीर्ष-स्तरीय वैश्विक शोध संगठनों, विशेष रूप से यूटीएम के बीच चल रहे आदान-प्रदान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस व्याख्यान ने सहयोग के नए अवसरों पर प्रकाश डाला, जिससे भविष्य में संयुक्त शोध और विकास पहलों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह कार्यक्रम वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने, नवाचार और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए गुजविप्रौवि की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। कुलसचिव डा. विजय कुमार ने डा. हासिम को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

हिसार। कुलपति कार्यालय में यूटीएम के डॉ. नूरहाफिजा बंटी हासिम का स्वागत करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई। फोटो: हरिभूमि

विवि में निर्धारित समयानुसार कक्षाओं का संचालन प्राथमिकता

गुजवि में वीसी का छात्रों से संवाद, शोध पर चर्चा

- कुलपति ने किया विद्यार्थियों से संवाद, शोध पर की चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा है कि शोध उपकरणों और विधियों के उचित प्रयोग से ही उच्च गुणवत्ता का शोध किया जा सकता है। शोधार्थियों को नियमित रूप से शोध से संबंधित अध्ययन, लेखन व अन्य गतिविधियों का संचालन करना चाहिए तभी वे निर्धारित समय में अपना शोध पूरा कर पाएंगे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने विश्वविद्यालय के हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस परिसर में स्थित विभागों एचएसबी, जियोग्राफी, कॉमर्स तथा विधि विभाग में शोधार्थियों, विद्यार्थियों व शिक्षकों से सीधा संवाद किया।

कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि वे विश्वविद्यालय में नियमित व निर्धारित समयानुसार कक्षाओं का संचालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ऐसा करके ही हम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक स्तर को और अधिक ऊंचा उठा पाएंगे। कुलपति ने विद्यार्थियों और शोधार्थियों से कक्षा संचालन के बारे में जानकारियां ली। कुलपति कार्यालय विद्यार्थियों व शोधार्थियों की समस्या सुनने के लिए हमेशा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान के लिए कई व्यवस्थाएं स्थापित की हैं। वीसी ने शिक्षकों से भी कहा कि वे नियमित रूप से तथा निर्धारित समयानुसार कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वे विद्यार्थियों से सीधा संवाद तथा विभागों का औचक निरीक्षण जारी रखेंगे।

हिसार। विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

सार्वजनिक सूचना

मैं, सोनू पुत्र पवन कुमार सकना धगाला तह. सिवानी जिला भिवानी अपने हलफ से ब्यान करता हूँ कि मेरा आधार नं-3193 4096 7028 है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम प्रमोद कुमार व मेरी जन्मतिथि 7.7.2021 गलत दर्ज की गई है। यह कि मेरे आधार कार्ड में मेरी जन्मतिथि 16.10.2006 व नाम सोनू दुरूस्त किया जाए। मैंने अपनी मर्जी से हल्फनामा दिया है। सभी तथ्य सही है तथा मेरे सर्टिफिकेट के अनुसार ही मेरी जन्मतिथि व मेरा नाम आधार कार्ड में दुरूस्त किया जावे और आज के बाद नाम सोनू व जन्मतिथि 16.10.2006 समझा जाए। शपथकार

खबर संक्षेप

पीएलए की दीवार पर बनाई सुंदर कलाकृतियां

हिसार। 'हमारा प्यार हिसार' की टीम ने रविवार को कैमरी रोड पर पीएलए की दीवार पर पक्षियों, तितलियों और फूलों की सुंदर तस्वीरें बनाई। लंबी दीवार अगले कुछ सप्ताहों में सज जाएगी। अभियान में सुशील खरींटा, डॉ. सुरेंद्र गर्ग, डॉ. बीबी बांगा, मंजू पूनिया, शकुंतला रहेजा, स्नेह धवन, डॉ. हरिशंकर सिंघा, जितेंद्र बंसल, गगन मेहता, पायल सिंघा, सचिन, सुहासिनी मौजूद रहे।

आरपीएस में स्कॉलरशिप कम एडमिशन परीक्षा

हांसी। आरपीएस में सत्र 2025-26 के लिए रविवार को तीसरी से 11वीं कक्षा के लिए स्कॉलरशिप परीक्षा हुई। सीईओ मनीष राव ने बताया कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 30 छात्रों को स्कूल प्रशासन निःशुल्क शिक्षा देगा। स्कालरशिप परीक्षा से पहले स्कूल के विद्यार्थी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। प्राचार्य अनूपम गोयल ने बताया कि परीक्षा में काफी संख्या में छात्रों ने भाग लिया। के मुख्य संचालक संदीप देसवाल मौजूद रहे।

शाहपुर स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता

आर्यन बैनीवाल और आशा सेन बने प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

- प्रतियोगिता में जीपी नारनौल बना चैंपियन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

नजदीकी गांव शाहपुर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में पहली वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि गांव की सरपंच रीता वर्मा रही तथा अध्यक्षता स्कूल की प्रचार्या डॉ. आदर्श चौधरी ने की। रेफरी की भूमिका खेल प्रशिक्षक अंग्रेज सिंह जाखड़ तथा सामाजिक कार्यकर्ता रणधीर सिंह बैनीवाल ने निभाई।

प्राचार्य डॉ. आदर्श चौधरी ने बताया कि नौवीं से बारहवीं कक्षा में लड़कियों के वर्ग में 100 मी., 200 मी., 400 मी. दौड़ तथा लम्बी कूद खेल करवाए गए। लम्बी कूद में आर्यन बैनीवाल ने प्रथम स्थान तथा चंचल छापरवाल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रेखा सांगवाल, भावना नोखवाल और अंशु सेन तृतीय रहे। छठी से आठवीं की छात्राओं के वर्ग में आशा सेन ने सभी खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वर्षा वर्मा द्वितीय तथा ललित सेन तृतीय रहे। लड़कियों में आर्यन बैनीवाल तथा आशा सेन को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। लड़कों के वर्ग में नौवीं से बारहवीं के वर्ग में इन सभी प्रतियोगिताओं में साहिल सांगवान प्रथम, रोहित द्वितीय तथा दिनेश तृतीय रहे। छठी से आठवीं में मोहित प्रथम, लम्बी कूद में विजय प्रथम तथा अंकित द्वितीय रहे। साहिल सांगवाल तथा मोहित नागर बेस्ट एथलीट रहे। प्रवक्ता जगदीश भाटिया, सुभाष चन्द्र, राजबीर ढांडा, वरिष्ठ अध्यापक सुरेन्द्र सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लड़कियों के खो खो में आर्यन एकादश प्रथम रहा। जबकि अंशु एकादश द्वितीय रहा। सरपंच रीतु वर्मा व महिला पंचों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

हिसार। खेल प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

हिसार। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थी व संस्थान के अधिकारी।

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक मंडी आदमपुर में इंटर

आदमपुर। पॉलिटेक्निक में आयोजित इंटर पॉलिटेक्निक बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता में दस पॉलिटेक्निक संस्थानों ने भाग लिया। जिनमें जीपी नारनौल, हिसार, धागड़, दामला, नीलोखेड़ी, छपार, महम, सांघी, पंचकूला व जीपी आदमपुर शामिल थे। से खेल प्रभारी प्रवीण पन्नू के नेतृत्व में आयोजित की गई। इंटर पॉलिटेक्निक बैडमिंटन खेल प्रतियोगिता में सेमीफाइनल मैच जीपी धागड़ बनाम जीपी नारनौल व जीपी नीलोखेड़ी बनाम जीपी दामला के बीच खेला गया। जीपी नीलोखेड़ी व जीपी नारनौल ने फाइनल मुकाबले में भिड़ते हुए जीपी नारनौल ने गोल्ड मेडल जीते, वही जीपी नीलोखेड़ी के हाथ सिल्वर मैडल आया और जीपी दामला को ब्रॉन्ज मेडल। विजेताओं को संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ. कुलबीर सिंह अहलावत ने मेडल प्रदान किए। इस मौके पर डॉ. अहलावत ने बताया कि यह प्रतियोगिता पॉलिटेक्निक संस्थानों के छात्रों के लिए पढ़ाई के साथ साथ खेलों में रूचि रखना और उनके समग्र विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर रिकॉर्ड कीपिंग का कार्य प्राध्यापक दिनेश यादव, अंबिका व नीरू रानी के द्वारा किया गया। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष सुरेश पूनिया, ओपी शर्मा, विष्णु बिश्नोई, मनोज गोस्वामी, प्रवीण मेहता व हवा सिंह नांदल मौजूद रहे।

हिसार। सफाई अभियान चलाती स्वयंसेविकाएं। फोटो: हरिभूमि

लक्ष्मीबाई कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- शिविर के दूसरे दिन सफाई के प्रति किया जागरूक।

महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज भिवानी रोहिल्ला की एनएसएस यूनिट द्वारा महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दूसरे दिन एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान के अतंर्गत एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने गांव भिवानी रोहिल्ला में स्वच्छता अभियान चलाया और ग्रामीणों को अपने आसपास सफाई रखने के लिए जागरूक किया। महाविद्यालय चेयरमैन भारत भूषण प्रधान ने एनएसएस स्वयंसेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निरक्षर को साक्षर, अस्वस्थ को सेवा एवं अभाव ग्रस्त व्यक्ति को मदद करना ही राष्ट्रीय सेवा योजना की पहचान है। महाविद्यालय डायरेक्टर डॉ. नीलम प्रभा ने स्वयंसेविकाओं से कहा कि इस सात दिवसीय शिविर का उद्देश्य आपके व्यक्तित्व का विकास करना है ताकि अच्छे समाजसेवी के रूप में देश की सेवा कर सकें। इसके अतिरिक्त क्ले मॉडलिंग व रस्साकशी प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें स्वयंसेविकाओं ने बढ चढ कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. शमीम शर्मा ने कहा कि एनएसएस में हम एकता का महत्व सीखते हैं। हम सीखते हैं कि जब हम एक साथ काम करते हैं, तो हम चमत्कार पैदा कर सकते हैं। इसके साथ साथ स्लोगन लेखन व पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने महाविद्यालय प्रांगण में भी स्वच्छता अभियान चलाया व क्यारियों को सुव्यवस्थित किया।

संस्कृतिक की रक्षा करें सरकार

- संस्कृति बिगाड़ने वाले कार्यों पर रोक लगाए सरकार : शमशेर

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हमारी सामाजिक परंपराएं प्राचीन काल से ही बहुत समृद्ध और सुदृढ़ है, उनके साथ छेड़छाड़ करने से समाज में ने केवल विसंगति पैदा होती है, बल्कि यह झगड़ों का कारण भी बनता है। इसलिए सामाजिक ताना-बाना और संस्कृति बिगड़ने वाले कार्यों पर सरकार को रोक लगनी चाहिए।

हरियाणा गोशाला संघ के प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य ने वैदिक वैश्विक सभा द्वारा आजाद नगर में आयोजित बैठक में यह बात कही। वैदिक विश्व सभा के संरक्षक डॉ. महावीर 'धीर' शास्त्री के नेतृत्व में अश्लीलता, लिव इन रिलेशनशिप तथा सम गोत्र विवाह आदि कुरीतियों के खिलाफ यात्रा निकाली जा रही है। रोहतक से शुरू की गई यात्रा भिवानी होते हुए हिसार पहुंची। डॉ. महावीर 'धीर' ने बताया कि आज लिव इन रिलेशनशिप जैसी प्रथाओं के प्रचलित होने से समाज में विसंगतियां बढ़ रही है तथा परिवार टूट रहे हैं। कोर्ट में तलाक आदि के केस बढ़ रहे हैं। उनकी सभा ने समगोत्र विवाह, लिव इन रिलेशनशिप, असलीलता तथा नशे आदि बुराइयों के विरुद्ध यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। समापन पर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संयोजक डॉ. राजकुमार दहिया व रामकिशन हुड्डा ने बताया की यात्रा से विभिन्न संस्थाओं का समर्थन और ज्ञापन पत्र लिए जा रहे हैं, जो मुख्यमंत्री को सौंपें जाएंगे ताकि इन बुराइयों पर रोक लग सके। वैदिक गुरुकुल पाबड़ा के संचालक आचार्य सत्यवीर 'प्रेरक', रविंद्र कुमार सैनी, सुनील सिंगल ने विचार रखें।

हिसार। गौशाला संघ प्रदेशाध्यक्ष शमशेर आर्य को ज्ञापन सौंपते हुए जन जागृति यात्रा के संयोजक डॉ. महावीर 'धीर' व अन्य। फोटो: हरिभूमि

ठाकुरदास भार्गव स्कूल में विशाल कैंप आज

- ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, वॉकर, हाथ की छड़ी, बैसाखी व कान की मशीन का होगा नि:शुल्क वितरण, फ्री देंगे कृत्रिम अंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा भारत विकास फाउंडेशन, भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के तत्वावधान में गोपीचंद भार्गव मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा 17 फरवरी को दिव्यांग बंधुओं के लिए विशाल कैंप का आयोजन किया जा रहा है। राजगढ़ रोड स्थित ठाकुरदास भार्गव सीनियर सेकेंडरी स्कूल में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चलने वाले इस शिविर में दिव्यांग बंधुओं को कृत्रिम उपकरण निशुल्क प्रदान किए जाएंगे। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस शिविर में ट्राइसाइकिल, व्हील चेयर, वॉकर, हाथ की छड़ी, बैसाखी व कान की मशीन का निशुल्क वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही लाला देवीचंद ग्रोवर कृत्रिम अंग निर्माणशाला के सहयोग से कृत्रिम अंगों का माप लिया जाएगा और कृत्रिम अंग निशुल्क प्रदान भी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि दिव्यांग केंद्र, गोपीचंद भार्गव मेमोरियल ट्रस्ट व लाला देवीचंद ग्रोवर कृत्रिम अंग निर्माणशाला समाज हित के प्रति समर्पित हैं। दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम उपकरणों व कृत्रिम अंग की निशुल्क व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि इस तरह के शिविर हरियाणा व अन्य राज्यों में समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि 17 फरवरी के शिविर में जिन दिव्यांगजनों की जांच करके माप लिया जाएगा, उन्हें भी जल्द ही कृत्रिम अंग निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे।

सिवानी दूध-धारा खिलाने से बढ़ती पशु की सुंदरता

- आयुर्वेदिक जड़ी बूटी एवं कई प्रकार के शुद्ध अनाजों से बना पौष्टिक आहार पशुओं के लिए रामबाण : अजीत सिवानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

अगर पशुओं को सही तरीके का पौष्टिक आहार न मिले तो पशु कई तरीके के कुपोषण का शिकार होने से पशुओं में कमियां आ जाती है, जैसे पशु ठीक समय पे गयाभ ना होना, बार बार रिपीट होना, पूरा समय दूध ना देना, अंग चला जाना, पशु का बीमार पड़ जाना। ऐसे में पशुओं को तंदुरुस्त रखने के लिए उन्हें पौष्टिक आहार देने से पशु आने वाली बीमारियों से बचता है एवं पशुओं में दूध देने की क्षमता तो बढ़ जाती है। पशु अच्छी गुणवत्ता वाला दूध देता है। कृषि दर्शन एक्सपो में अजीत सिवानी ने बताया कि उनके द्वारा सोलह मिश्रित लवणीय आहार दिया जाता है, जिससे पशु तंदुरुस्त रहते हैं। ऐसे में हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, पंजाब व उत्तर प्रदेश के हजारों किसानों को इससे जुड़ कर फायदा मिल रहा है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच है कि किसानों की आय दो गुणा होनी चाहिए ताकि किसान अपने परिवार का अच्छे से लालन पोषण कर सके। अजीत सिवानी ने बताया कि उनकी भी यही सोच है कि पशुपालकों की आय में लगातार बढ़ोतरी होती है। उनके द्वार तैयार किए गए सम्पूर्ण एवं संतुलित पशु आहार से दस हजार से अधिक किसानों को फायदा मिल चुका है।

पत्रकारों से बातचीत करते अजीत सिवानी।

ऐसे होता है तैयार

अजीत सिवानी ने बताया कि पशुओं के लिए तैयार किए जाने वाले मिश्रण में हल्दी, आंवला, गुड़, मक्का, सैंधा नमक, चना, मैथी, मूंग, जौ, तारामीरा, सोयबीन, मीठा सोडा, खारा तूंबा, खल बिलौना, साऊथ से सोलह प्रकार के खाद्य पदार्थों का मिश्रण किया जाता है। पोष्टिक पशु आहार तैयार किया जाता है। यह संतुलित आहार पशुओं के लिए रामबाण साबित हो रहा है। दूध-धारा खिलाने से पशु की सुंदरता बढ़ती एवं ब्रीड तैयार करने के लिए काफी किफायती साबित होता है।

नशे व साइबर क्राइम के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

ग्रामीण भ्रमण कार्यक्रम के तहत उप पुलिस अधीक्षक रविन्द्र सिंह व सदर थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने रविवार को गांव माजोद व महजत गांव का दौरा किया। दोनों पुलिस अधिकारियों ने कर ग्रामीणों को नशे, साइबर क्राइम व ट्रैफिक नियमों के बारे जागरुक किया। डीएसपी सांगवान ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि पुलिस और आमजन तालमेल के साथ कार्य करे तो नशे व अपराधों पर नियंत्रण पाया जा सकता है और अपराधों में कमी आएगी और गांव में आपसी भाईचारा वा सौहार्द बना रहेगा। साइबर ठगी के मामले तेजी से बढते जा रहे है। पुलिस समय समय पर साइबर अपराध से जुड़ी घटनाओं को लेकर लोंगों को सतर्क करती है। स्वयं जागरूक रहकर साइबर ठगी से बच सकते है। ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढते जा रहे है। ऐप्स और बैंकिंग सिस्टम में सेंधमारी के साथ नागरिकों को भिन्न भिन्न प्रकार के लालच देकर कर साइबर अपराधी धोखाधड़ी कर रहे है। उन्होंने बताया कि नागरिकों को ठगी से बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल तैयार किया है और हेल्प लाइन नंबर 1930 जारी किया गया है जिस पर नागरिक साइबर क्राइम से संबंधित अपनी शिकायत दे सकते है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध मुहिम चलाई गई हैं इसलिए हम सब की भी ये नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि हम सब नशे से दूर रहें।

हांसी। ग्रामीणों को संबोधित करते डीएसपी संजय सिंह उनके साथ हैं सदर थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई। फोटो: हरिभूमि

जाट सभा की वार्षिक बैठक का आयोजन

हिसार। जाट शिक्षण संस्थान की आम सभा की वार्षिक बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से उपप्रधान दिलदार पूनिया को संस्था का प्रधान चुना गया। जाट शिक्षण संस्थान के प्रवक्ता एवं कार्यकारिणी सदस्य हर्ष बामल ने रविवार को बताया कि संस्था के प्रधान अजमेर ढांडा का करीब एक वर्ष पूर्व निधन हो गया था, जिसके बाद ये प्रधान पद रिक्त चल रहा था। इसके चलते संस्था के सुचारू संचालन को लेकर नए प्रधान का चुनाव करने का निर्णय लिया गया, जिसके लिए यह बैठक बुलाई गई। बैठक में जिला रजिस्ट्रार कार्यालय की ओर से चुनाव के लिए नियुक्त किए गए ऑब्जर्वर भी उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति से दिलदार पूनिया को प्रधान चुना गया।

कल शहीद ढींगड़ा की जयंती पर हवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

बीकानेर चैक के पास स्थित शहीद मदन लाल ढींगड़ा पार्क में 18 फरवरी को शहीद मदन लाल ढींगड़ा जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। संस्था के सचिव संदीप बांगा ने बताया कि सर्व खत्री समाज एवं शहीद मदन लाल ढींगड़ा पार्क विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में होने वाले इस कार्यक्रम में सुबह 7.45 बजे हवन किया जाएगा। अरदास व 9 बजे प्रसाद वितरण और प्रतिमा पर माल्यार्पण होगा। सचिव संदीप बांगा ने बताया कि इस मौके पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी शहीदशहीद मदनलाल ढींगड़ा मदन लाल ढींगड़ा को श्रद्धांजलि दी जाएगी। आजादी की अलख जगाने वाले क्रांतिकारी मदन लाल ढींगड़ा ने देश के लिए खुद को न्यौछावर कर दिया। अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ बगावत करने पर अंग्रेजों द्वारा उन्हें फांसी दे दी गई। ऐसे महान शहीद को उनकी जयंती पर नमन करना तथा श्रद्धांजलि अर्पित करना हर देशवासी का कर्तव्य है। पंजाबी कल्याण मंच कल मनाएगा शहीद मदनलाल ढींगड़ा जयंती पंजाबी कल्याण मंच की वर्चुअल मीटिंग समाजसेवी एवं मंच के सदस्य गोकुल नारंग की अध्यक्षता में आयोजित की गई। मंच के प्रचार मंत्री मदन लाल पपनेजा ने बताया कि बैठक में हर वर्ष की भांति 18 फरवरी को शहीद मदनलाल ढींगड़ा की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया।

शहीद मदनलाल ढींगड़ा

राहत एसटीपी अपग्रेड होने के बाद तीन चरणों में साफ होगा पानी, लोगों को मिलेगी राहत

साढ़े 9 करोड़ से अपग्रेड होंगे हांसी के दोनों एसटीपी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हांसी

शहर में सीवरेज पानी को साफ करने के लिए बनाए दोनों सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को साढ़े नौ करोड़ रुपये से अपग्रेड किया जा रहा है। जिसके बाद दूषित पानी को तीन बार फिल्टर किया जाएगा। जिसे सिंचाई, फैक्टरी, भवन निर्माण, गाड़ी धोने व फर्श पर पोंछा लगाने में प्रयोग किया जा सकेगा। दूषित पानी को शुद्ध करने के लिए एनजीटी के निर्देशानुसार किया जा रहा है, पानी को फिल्टर करने के बाद इसे ड्रेन में डालकर सिंचाई विभाग को दिया जाएगा। दरअसल नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने जनस्वास्थ्य विभाग को सीवर के पानी का ट्रीटमेंट के बाद जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) लेवल कम करने के आदेश दिए थे। एनजीटी के अनुसार ट्रीटमेंट के बाद 10 से कम बीओडी वाले पानी को शुद्ध माना जाता है। अभी प्लांट के अपग्रेड होने से पहले बीओडी 30 तक होता था। जिससे पानी पूरी तरह शुद्ध नहीं होता था। प्लांट अपग्रेड होने के बाद पानी शुद्ध हो जाएगा। शहर में तीन एसटीपी है। दो एसटीपी लालपुरा रोड व एक भिवानी रोड पर है। लालपुरा रोड पर बना एक एसटीपी आधुनिक है। इसे अपग्रेड करने की जरूरत नहीं है। लालपुरा रोड के एक अन्य और भिवानी रोड के एसटीपी को अपग्रेड किया जा रहा है। इसमें लालपुरा रोड स्थित एसटीपी पर कार्य जारी है। वहीं भिवानी रोड स्थित एसटीपी को अपग्रेड करने का कार्य पूरा होने के बाद ट्रायल पर है। इन दोनों एसटीपी में एमबीबीआर टेक्नोलॉजी के आधार पर पानी का ट्रीटमेंट किया जा रहा है। अभी तक यहां दो चरणों में पानी को साफ किया जाता था। लेकिन अपग्रेड होने के बाद यहां पर मशीनों से पानी को तीन बार फिल्टर किया जाएगा। एसटीपी में ब्लोअर से ऑक्सीजन छोड़ी जाती है, जिससे ऑर्गेनिक मैटर डिकंपोज होता है। बैक्टीरिया गंदगी खाते हैं और पानी शुद्ध होने लगता है। विशेषज्ञों के अनुसार दूषित पानी का ट्रीटमेंट करने के लिए प्लांट में डिफेंडर और पाइप लगाए हैं। दूषित पानी में जैविक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) 300 तक होती है। अपग्रेड होने के बाद यह डिमांड घट कर 10 तक हो जाएगी। उसके बाद पानी का उपयोग कृषि कार्य के लिए किया जा सकता है।

हांसी। भिवानी रोड पर एसटीपी में दूषित पानी को शुद्ध करने के बना प्लेटफार्म।

एजेंसी करेगी पांच वर्ष तक संचालन

लालपुरा रोड स्थित एसटीपी को साढ़े पांच करोड़ व भिवानी रोड स्थित एसटीपी को 4 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया जा रहा है। भिवानी रोड स्थित एसटीपी पांच एमएलडी क्षमता का व लालपुरा रोड स्थित एसटीपी साढ़े सात एमएलडी क्षमता का है। एसटीपी बनने बाद एजेंसी को पांच वर्ष तक संचालन करना होगा।

ये होगा फायदा

जन स्वास्थय विभाग के एक्सईन संजीव त्यागी ने कहना कि तीन बार फिल्टर करने के बाद दूषित पानी सिंचाई के लायक हो जाएगा। इस पानी का उपयोग भवन निर्माण, बाग, फैक्ट्री के अलावा गाड़ी व फर्श धोने में उपयोग कर सकेंगे। ट्रिपल फिल्टर होने के बाद पानी में झाग, बदबू, रंग की समस्या नहीं रहेगी। पानी में पीएच व टीडीएस दोनों नहरी पानी जितना हो जाएगा। दोनों एसटीपी को अपग्रेड हो रहे हैं। भिवानी रोड एसटीपी का कार्य पूरा हो गया है। और अभी यह ट्रायल पर है। लालपुरा रोड स्थित एसटीपी का कार्य 6 महीने में पूरा होगा।

ट्रिपल इंजन सरकार बनाने को करें मेहनत

उकलाना मंडी। भारतीय जनता पार्टी द्वारा उकलाना हलके के चारों मंडल अध्यक्षों का गीता भवन के समीप पार्क में पद ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह मे हरियाणा ट्रेडर्स वेलफेयर बोर्ड के उपाध्यक्ष श्रीनिवास गोयल, पूर्व राज्य मंत्री अनूप धानक, पूर्व जिला अध्यक्ष आशा खेदड, खेल प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नरेश नैन, जिला सचिव संदीप गोयल, बहादुर सिंह नंगथला रामफल नैन सहित अनेक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पहुंचकर उनका पद ग्रहण करवाया। वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल ने कहा कि पद ग्रहण का अर्थ है उनको ज़िम्मेदारी का एहसास करना है। उकलाना से विनोद कुमार, पावड़ा से मीना शर्मा, बनभौरी से मनवीर सिंह व अग्रोहा मंडल से मोहन लाल नंगथला को जिम्मेदारी सौंपी।